भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †2310

सोमवार, 15 दिसंबर, 2025/24 अग्रहायण, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

होमस्टे का विकास

†2310. श्री केसिनेनी शिवनाथः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत विकास के लिए आवंटित होमस्टे की संख्या का राज्य-वार/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) आन्ध्र प्रदेश के लिए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत संस्वीकृत होमस्टे की संख्या का जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त योजना के अंतर्गत विशेषकर होमस्टे के लिए प्रस्ताव भेजने वाले जिलों की संख्या का घटक-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) होमस्टे के निर्माण के लिए आवंटित निधि का राज्य-वार/संघ राज्यक्षेत्र-वार और आन्ध्र प्रदेश के लिए जिला-वार ब्यौरा क्या है; और

(ङ) उपयोग की गई निधि का राज्य-वार/संघ राज्यक्षेत्र-वार और आन्ध्र प्रदेश के लिए जिला-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): पर्यटन मंत्रालय ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान जनजातीय क्षेत्रों में होमस्टे के विकास के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान (पीएम-जेयूजीए) के तहत स्वदेश दर्शन की एक उप-योजना के रूप में 'जनजातीय क्षेत्रों में होमस्टे का विकास' की शुरूआत की है।

इस योजना में ग्राम समुदाय की आवश्यकताओं के लिए 5 लाख रू. तक, प्रत्येक घर के लिए दो नए कमरों के निर्माण हेतु 5 लाख रु. तक और प्रत्येक घर में मौजूदा कमरों के नवीनीकरण के लिए 3 लाख रू. तक की वित्तीय सहायता प्रदान करते हुए जनजातीय क्षेत्रों की पर्यटक क्षमता का लाभ उठाने और जनजातीय समुदायों को वैकल्पिक आजीविका प्रदान करने हेतु होमस्टे के विकास की परिकल्पना की गई है।

इस योजना के तहत, 17 राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों से प्रस्ताव प्राप्त किए गए थे, जिनमें से आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, मिजोरम, उत्तराखंड के राज्यों और लद्दाख संघ राज्यक्षेत्र से प्राप्त 5 प्रस्तावों को 17.52 करोड़ रूपए की कुल राशि के लिए अनुमोदित किया गया है। हालांकि अभी तक कोई धनराशि जारी नहीं की गई है।

*****